

खबर संक्षेप

भरी बारिश में गणपति बप्पा को दी विदाई
 दुर्गकोंदल। विकासखंड मुख्यालय दुर्गकोंदल सहित अंचल में 11 दिनों तक गणेश उत्सव के बाद शनिवार को श्रद्धा और उत्साह के साथ गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया। लगातार बारिश के बावजूद श्रद्धालुओं का उत्साह कम नहीं हुआ। डीजे की धुन पर नाचते-गाते श्रद्धालुओं ने गणपति बप्पा मोरया, अगले बरस तू जल्दी आ के जयकारे लगाए। स्टार ग्रुप गणेश उत्सव समिति सहित विभिन्न समितियों ने नगर में विसर्जन यात्रा निकाली। युवाओं, महिलाओं और बच्चों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। विधि-विधान से पूजा-अर्चना के बाद प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया। पूरे आयोजन के दौरान दुर्गकोंदल भक्तिमय माहौल में डूबा रहा।

व्याख्याता दुर्गाप्रसाद साहू को प्राणिशास्त्र में पीएचडी
 दुर्गकोंदल। शासकीय हाई स्कूल मगहूर में पदस्थ व्याख्याता दुर्गाप्रसाद साहू को प्राणिशास्त्र में पीएचडी उपाधि के लिए पात्र घोषित किया गया है। उन्होंने राजनांदगांव जिले के भुलत में भारी धातुओं और संबंधित मानव स्वास्थ्य समस्याओं के बीच सह-संबंधात्मक अध्ययन विषय पर शोध किया। शोध कार्य शासकीय वीवाईटी स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय दुर्ग के शोध केंद्र में विभागाध्यक्ष डॉ. दिव्या कुमुदिनी मिंज के मार्गदर्शन में पूर्ण किया गया। हेमचंद यादव विश्वविद्यालय दुर्ग द्वारा निर्धारित प्रक्रिया पूरी होने के बाद उन्हें उपाधि के लिए पात्र घोषित किया गया।

जहर खाने से महिला की मौत पर कारण अज्ञान

कांकेर। पखांजूर थानांतर्गत पीन्ही 117 निवासी 45 वर्षीय दीपाली मण्डल पति रंजीत मण्डल ने अज्ञात कारणों के चलते जहर खा लिया, जिससे उसकी 26 सितंबर को मौत हो गई। पुलिस से मिली जानकारी अनुसार मृतिका ने जहर सेवन किया था। पुलिस द्वारा मर्ग कायम कर विवेचना में लिया गया।

घायल की मौत को विवेचना में लिया

कांकेर। रायपुर के अस्पताल में एंटेबालका निवासी 15 वर्षीय रविंद आंचले पिता राजेश आंचले की मौत हो गई। अस्पताल से अस्पताली मेमो पेश कर पुलिस को बताया गया कि मृतक सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल था। इलाज के लिए अस्पताल में लया गया। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। रायपुर में शुन्य पर मर्ग कायम कर मर्ग डायरी अंतागढ़ थाना पेश करने पर असल नंबरी मर्ग कायम कर विवेचना में लिया गया।

युवती ने फांसी लगाकर दी जान
कांकेर। पखांजूर थानांतर्गत पीन्ही 4 विवेकानंद नगर निवासी 20 वर्षीय विशाखा मण्डल पिता संजीत मण्डल ने 26 सितंबर को फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया। मृतिका के परिजन ने पुलिस को बताया कि मृतिका ने अज्ञात कारणों के चलते फांसी लगा लिया, जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस द्वारा मर्ग कायम कर विवेचना में लिया गया।

पहल : विद्यार्थियों को खेती से आत्मनिर्भर बनने का संदेश

पौधों के साथ विद्यार्थियों को दिया गया दीर्घकालीन आय का मंत्र

हरिभूमि न्यूज ►► कोण्डागांव

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मयूर डोंगर में विद्यार्थियों को खेती-किसानी और उद्यमिता से जोड़ने की दिशा में एक अभिनव पहल की गई। मां दंतेश्वरी हर्बल समूह के सहयोग से विद्यालय के सभी छात्र-छात्राओं को काली मिर्च स्कूल में हर बूख को मिला काली मिर्च और सिंदूरी का पौधा

■ मयूर डोंगर हायर सेकेंडरी स्कूल में हर बूख को मिला काली मिर्च और सिंदूरी का पौधा

कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में पौधरोपण के प्रति रुचि और भविष्य में स्वरोजगार की संभावनाओं के प्रति जागरूकता पैदा करना था।

कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के प्रत्येक विद्यार्थी को काली मिर्च एवं सिंदूरी के पौधे प्रदान किए गए। विद्यार्थियों को इन पौधों को अपने घर अथवा उपयुक्त स्थान पर लगाने तथा उनकी निर्यात देखभाल करने के लिए प्रेरित किया गया।

आज पशु चिकित्सालय में लगेगा एंटी रेबीज टीका, लोगों को किया जाएगा जागरूक

केशकाल। विजय रेबीज दिवस पर आज पशु चिकित्सालय केशकाल में विशेष जागरूकता एवं टीकाकरण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान पशुओं को रेबीज से बचाव के लिए एंटी रेबीज टीका लगाया जाएगा। साथ ही पशुपालकों एवं आम नागरिकों को रेबीज बीमारी के कारण, संक्रमण से बचाव और समय पर उपचार के महत्व की जानकारी दी जाएगी।

रेबीज एक गंभीर और जानलेवा वायरल बीमारी है, जो मुख्य रूप से संक्रमित पशु के काटने या उसकी लार के संपर्क में आने से फैल सकती है। कुत्ते इसका संक्रमण का प्रमुख स्रोत माने जाते हैं, इसलिए पालतू कुत्तों सहित अन्य संवेदनशील पशुओं का समय पर टीकाकरण बेहद महत्वपूर्ण है। डॉ.कस्तुरी प्रधान ने बताया कि पशु चिकित्सालय में आयोजित कार्यक्रम के दौरान 28 सितम्बर को सुबह 8 बजे से 12 तक लगाया जायेगा पशु चिकित्सकों द्वारा पशुपालकों को बताया जाएगा कि पशुओं का नियमित टीकाकरण ही रेबीज को रोकथाम का सबसे प्रभावी उपाय है। खासकर कुत्तों को निर्धारित समय पर एंटी रेबीज वैक्सीन लगवाना चाहिए।

हरिभूमि न्यूज ►►केशकाल

लगातार बारिश के बीच गणेशोत्सव के समापन पर श्रद्धालुओं ने भगवान गणेश की प्रतिमा का विसर्जन सादगी के साथ किया।

बारिश को देखते हुए विसर्जन यात्रा में डीजे का उपयोग नहीं किया गया। इसके बावजूद श्रद्धालुओं के उत्साह में कोई कमी नहीं आई। भक्त स्वयं भक्ति गीत गाते, तालियां बजाते और गणपति बप्पा के जयकारे लगाते हुए विसर्जन स्थल तक पहुंचे।

विशेष बात यह रही कि भगवान गणेश की प्रतिमा को वाहन के बजाय टेले में रखकर श्रद्धालु स्वयं खींचते विसर्जन स्थल तक ले गए। पूरी यात्रा के दौरान गणपति बप्पा मोरया, अगले बरस तू जल्दी आ के



डॉ. राजाराम त्रिपाठी ने बताया पौधों से आय का तरीका

उन्होंने बताया कि इन पौधों को किस प्रकार लगाया जाता है, उनकी देखभाल कैसे की जाती है और उचित तरीके से खेती करने पर उनसे फसल प्राप्त की जा सकती है। उन्होंने विद्यार्थियों को यह भी बताया कि काली मिर्च और सिंदूरी जैसे दीर्घजीवी पौधों से लंबे समय तक आय प्राप्त करने की संभावनाएं रहती हैं।



पौधे लगाने के साथ जिम्मेदारी भी निभाएं विद्यार्थी

विद्यालय प्रबंधन ने विद्यार्थियों से अपील की कि उन्हें दिए गए पौधों को केवल लेकर घर नहीं जाना है, बल्कि उनकी नियमित देखभाल भी करनी है। पौधे के विकास, उसकी देखभाल और उससे प्राप्त होने वाले परिणामों को विद्यार्थी सीखने की प्रक्रिया का हिस्सा बनाएं। इस अवसर पर डॉक्टर राजाराम त्रिपाठी अनुराग त्रिपाठी संस्था के उमस्तर छात्र छात्रए, पालक गण, ग्रामीण जन, सरपंच जयलाल नेताम, प्राचार्य जमील खान, संकुल समन्वयक दुर्गा शंकर दीवान, व्याख्याता यशवंत देवांगन, मुकेश सेमसन, रीता प्रधान, सुष्मा पात्र, सारिका कश्यप, दुलेश्वरी बरौ, हेमंत देहरी, संजीव तालुकदार, उमाकांत दीवान, पुष्कर साहू, लक्ष्मी कांत केवट, राजू राम मरकाम, तुलेश्वर नाग, चंद्रा रेखा धुव, रामप्रसाद, प्रमोद वैद्य, भारत देवांगन पोटाई तथा विद्यालय का संपूर्ण स्टाफ कार्यक्रम की सफलता में सहभागी बना।

स्वच्छता अभियान में शामिल हुए बीएसएफ व पुलिस जवान

दुर्गकोंदल। माईस प्रबंधन द्वारा चलाए जा रहे स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत आज दुर्गकोंदल के थाना और बीएसएफ कैम्प के आस पास साफ सफाई का कार्य किया गया। गोयल ग्रुप के माईस प्रबंधन द्वारा स्वच्छता को लेकर जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है तथा माईस के आस पास के क्षेत्रों को साफ करने का कार्य किया जा रहा है। इसी कड़ी में आज गोयल ग्रुप के स्वच्छता प्रहरी दुर्गकोंदल के थाना और बीएसएफ कैम्प पहुंचे और वहां पर आस पास में फैली गंदगी को साफ करने का काम किया। इस कार्य मे गोयल ग्रुप के स्वच्छता प्रहरियों के साथ साथ बीएसएफ के जवानों और पुलिस कर्मियों ने बड़ चढ़ कर हिस्सा लिया।



एक पौधा, भविष्य की आय का आधार

डॉ. त्रिपाठी ने विद्यार्थियों को समझाया कि खेती को केवल पारंपरिक आजीविका के रूप में देखने के बजाय इसे व्यवस्थित व्यवसाय और उद्यमिता के रूप में भी अपनाया जा सकता है। उन्होंने पौधों की उपयोगिता आधारित रोजगार और मूल्य संवर्धन की संभावनाओं के बारे में भी विद्यार्थियों को जानकारी दी। प्राचार्य जमील खान ने कहा 'नौकरी मांगने वाला नहीं, नौकरी देने वाला बनें विद्यालय के प्राचार्य जमील खान ने अपने उद्बोधन में विद्यार्थियों को शिक्षा के उद्देश्य और आत्मनिर्भरता का संदेश दिया। आधुनिक तकनीक, वैज्ञानिक सोच और बाजार की समझ के साथ को एक सफल व्यवसाय बनाया जा सकता है। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को यह संदेश दिया गया कि आने वाले समय में कृषि केवल खेत में फसल पैदा करने तक सीमित नहीं रहेगी। हर्बल खेती, प्रसंस्करण, पैकेजिंग, विपणन और कृषि आधारित उद्योग युवाओं के लिए रोजगार एवं उद्यमिता के नए अवसर पैदा कर सकते हैं।

हर चौक—चौराहे पर आवारा पशुओं का डेरा जिम्मेदारों की लापरवाही से बढ़ा हादसे का खतरा

हरिभूमि न्यूज ►► कोण्डागांव

शहर की प्रमुख सड़कों और चौक—चौराहों पर आवारा एवं बेघर पशुओं का जमावड़ा इन दिनों वाहन चालकों के लिए गंभीर परेशानी का कारण बना हुआ है। शहर के

■ गांधी चौक से कलेक्ट्रेट तक सड़कों पर घूम रहे पशु, वाहन चालकों की जान जोखिम में

व्यस्तताम इलाकों में सड़क के बीचों-बीच बैठे और घूमते पशुओं के कारण कभी भी बड़ा सड़क हादसा हो सकता है। इसके बावजूद जिम्मेदार विभागों की ओर से समस्या के स्थायी समाधान के लिए प्रभावी कार्रवाई नजर नहीं आ रही है।

गांधी चौक बना सबसे बड़ा जोखिम क्षेत्र: शहर के हृदय स्थल गांधी चौक सहित आसपास के मुख्य मार्गों पर बड़ी संख्या में आवारा पशु सड़कों पर दिखाई दे रहे हैं। यातायात के बीच अचानक पशुओं के सड़क पर आ जाने से दोपहिया वाहन चालकों को अचानक ब्रेक लगाना पड़ता है, जिससे दुर्घटना की आशंका बनी रहती है।



खड़े ट्रक से बोलेरो टकराई युवक की मौत, दो घायल

फरसगांव। नेशनल हाईवे-30 पर ग्राम मस्कुकोकोंडा पेट्रोल पंप के आगे पंचायत भवन के पास शनिवार रात सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि दो लोग घायल हो गए। हादसा सड़क किनारे बिना किसी चेतावनी संकेत के खड़े ट्रक से बोलेरो की टक्कर के कारण हुआ।

पुलिस के अनुसार, 26 सितंबर की रात करीब 10:20 बजे अजित मरकाम निवासी खजरवांड, शिवलाल मरकाम पिता सोनउ मरकाम निवासी तरईबेड़ा (28) और बोलेरो चालक सगराम मरकाम बोलेरो क्रमांक सीजी 18 के 2685 से फरसगांव से तरईबेड़ा लौट रहे थे। इसी दौरान एनएच-30 पर खड़े ट्रक क्रमांक सीजी 04 एनटी 9083 से बोलेरो की जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि बोलेरो सवार शिवलाल मरकाम की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं अजित मरकाम और चालक सगराम मरकाम घायल हो गए।

घटना के बाद मांझीआठगांव सड़क सुरक्षा समिति के सदस्यों की मदद से फरसगांव थाना पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका उपचार जारी है। परिजनों की रिपोर्ट पर पुलिस ने मर्ग कायम कर पंचनामा कार्रवाई की। रविवार को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

एक सप्ताह से खड़ा था खराब ट्रक

ग्रामीणों और मृतक के परिजनों ने आरोप लगाया कि दुर्घटना में शामिल ट्रक करीब एक सप्ताह से खराब हालत में सड़क किनारे खड़ा था। ट्रक के आसपास कोई चेतावनी या संकेतक नहीं लगाया गया था। परिजनों का कहना है कि ट्रक को समय रहते हटाया जाता अथवा पर्याप्त संकेतक लगाए जाते तो हादसा टल सकता था। उन्होंने ट्रक चालक पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की है।



पुराना बस स्टैंड, पुलिस थाना के सामने तथा चौपाटी क्षेत्र में भी सड़क और आसपास के स्थानों पर पशुओं का जमावड़ा देखा जा रहा है। इन क्षेत्रों में दिनभर लोगों की आवाजाही रहती है। बस स्टैंड और बाजार क्षेत्र में वाहनों का दबाव अधिक होने के कारण यहां स्थिति और भी गंभीर हो जाती है।

गांधी चौक से गुजर रहे एक वाहन चालक ने बताया कि अभी—अभी एक पशु के अचानक सड़क पर आ जाने के कारण वह स्कूटी से गिर गया। गिरने से उसके घुटने में चोट आई है और वह डॉक्टर को दिखाने जा रहा है। यह घटना इस बात का संकेत है कि यदि समय रहते आवारा पशुओं को सड़कों से नहीं हटाया गया तो किसी दिन गंभीर दुर्घटना हो सकती है।

समक्ष श्रीमान अनुविभागीय अधिकारी (र.) नारायणपुर

नाम परिवर्तन हेतु शपथ-पत्र

मैं अरजु राम वड्डे पिता श्री कोन्दराम वड्डे निवासी ग्राम - गुमियापाल तहसील व जिला नारायणपुर राज्य छ.ग. का शपथपूर्वक निम्नांकित सत्य कथन करती हूँ कि:-

1. यह कि मैं ग्राम - गुमियापाल तहसील व जिला नारायणपुर की निवासी हूँ।
2. यह कि मेरी पुरी का नाम रनिता वड्डे है। जो सत्य एवं सही है।
3. यह कि मेरी पुरी रनिता वड्डे का जन्म प्रमाण पत्र में रनिता वड्डे है जो सत्य व सही है।
4. यह कि मेरी पुरी रीता वड्डे के नाम से आधार कार्ड क्रमांक 387515606312 जारी हुआ है। जिसमें पुरी का नाम रनीता जिसे सुधारकर रनिता वड्डे लिखवाना है।
5. यह कि शपथ पत्र मेरे आधार कार्ड अन्य अभिलेखों में मेरे पुरी का नाम रनिता वड्डे अंकित किया जाने बचक शासकीय गजट में नाम परिवर्तन करने हेतु प्रकाशन किये जाने के समर्थन में प्रस्तुत है।

अरजु वड्डे शपथकर्ता

सत्यापन

मैं अरजु राम वड्डे पिता श्री कोन्दराम वड्डे निवासी ग्राम - गुमियापाल तहसील व जिला नारायणपुर राज्य छत्तीसगढ़ शपथकर्ता/ शपथकर्ता यह सत्यापित करता/ करती हूँ कि उक्त शपथ पत्र की कंडिका 1 से 5 तक दी गई समस्त जानकारी मेरे निजी ज्ञान व विश्वास से सही व सत्य है। अतः आज दिनांक 21/09/2026 को नारायणपुर में पदकर व समझकर अपना हस्ताक्षर किया हूँ।

अरजु वड्डे सत्यापनकर्ता

समक्ष श्रीमान अनुविभागीय अधिकारी (र.) नारायणपुर

नाम परिवर्तन हेतु शपथ-पत्र

मैं हेमलता शर्मा पति श्री संजय कुमार शर्मा निवासी-सोनारपाल तहसील भानपुरी जिला बस्तर राज्य छ.ग. का शपथपूर्वक निम्नांकित सत्य कथन करती हूँ कि:-

1. यह कि मैं सोनारपाल तहसील भानपुरी जिला बस्तर की निवासी हूँ।
2. यह कि मेरा नाम हेमलता शर्मा है। जो सत्य एवं सही है।
3. यह कि मेरे आधार कार्ड, पैन कार्ड, अंकरपुरी में मेरा नाम हेमलता ही अंकित है।
4. यह कि मेरे नाम से नारायणपुर जिला में जमीन है जिसमें मेरा नाम ममतता अंकित है।
5. यह कि हेमलता शर्मा एवं ममतता एक ही व्यक्ति है। जो कि सत्य एवं सही है।
6. यह कि शपथ पत्र मेरे दस्तावेजों में मेरा नाम हेमलता शर्मा एवं ममतता अंकित करने जाने बचाव शासकीय गजट में नाम परिवर्तन करने हेतु प्रकाशन किये जाने के समर्थन में प्रस्तुत है।

हेमलता शपथकर्ता

सत्यापन

मैं हेमलता शर्मा पति श्री संजय कुमार शर्मा निवासी-सोनारपाल तहसील भानपुरी जिला बस्तर राज्य छत्तीसगढ़ शपथकर्ता/ शपथकर्ता यह सत्यापित करता/ करती हूँ कि उक्त शपथ पत्र की कंडिका 1 से 6 तक दी गई समस्त जानकारी मेरे निजी ज्ञान व विश्वास से सही व सत्य है। अतः आज दिनांक 22/09/2026 को नारायणपुर में पदकर व समझकर अपना हस्ताक्षर किया हूँ।

हेमलता सत्यापनकर्ता

समक्ष श्रीमान अनुविभागीय अधिकारी (रा.) नारायणपुर

नाम परिवर्तन हेतु शपथ-पत्र

मैं गुड्डी कश्यप पिता श्री जगु कश्यप निवासी-नयापारा वार्ड 01 नारायणपुर तहसील व जिला नारायणपुर राज्य छ.ग. का शपथपूर्वक निम्नांकित सत्य कथन करती हूँ कि:-

1. यह कि मैं नयापारा वार्ड 01 नारायणपुर तहसील व जिला नारायणपुर की निवासी हूँ।
2. यह कि मेरा पुत्र का नाम अश्वय कुमार कश्यप है। जो सत्य एवं सही है।
3. यह कि मेरे पुत्र अश्वय कुमार कश्यप का जन्म प्रमाण पत्र में अश्वय कुमार कश्यप है जो सत्य व सही है।
4. यह कि मेरा पुत्र अश्वय कुमार कश्यप के नाम से आधार कार्ड क्रमांक 6335 6495 8164 जारी हुआ है। जिससे पुत्र का नाम अश्वय कुमार श्रुत लिखा हुआ है।
5. यह कि शपथ पत्र मेरे आधार कार्ड में मेरा पुत्र का नाम अश्वय कुमार कश्यप अंकित किये जाने बचाव शासकीय गजट में नाम परिवर्तन करने हेतु प्रकाशन किये जाने के समर्थन में प्रस्तुत है।

गुड्डी शपथकर्ता

सत्यापन

मैं गुड्डी कश्यप पिता श्री जगु कश्यप निवासी-नयापारा वार्ड 01 नारायणपुर तहसील व जिला नारायणपुर राज्य छत्तीसगढ़ शपथकर्ता/ शपथकर्ता यह सत्यापित करता/ करती हूँ कि उक्त शपथ पत्र की कंडिका 1 से 5 तक दी गई समस्त जानकारी मेरे निजी ज्ञान व विश्वास से सही व सत्य है। अतः आज दिनांक 21/9/2026 को नारायणपुर में पदकर व समझकर अपना हस्ताक्षर किया हूँ।

गुड्डी सत्यापनकर्ता

पत्नी से मारपीट की पति पर मामला दर्ज

कांकेर। परतापुर थानांतर्गत ग्राम पीन्ही-72 चंदनपुर में घरेलू विवाद के दौरान पति द्वारा पत्नी से गाली-गलौच, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पीड़िता की शिकायत पर परतापुर पुलिस ने आरोपी पति के खिलाफ अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार ग्राम पीन्ही-72 चंदनपुर निवासी मनीका बाईई ने थाना परतापुर में लिखित आवेदन प्रस्तुत कर अपने पति बिदू बाईई के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत में महिला ने आरोप लगाया है कि उसका पति आए दिन बिना किसी कारण उसके साथ विवाद करता है तथा गंदी-गंदी गालियां देकर मारपीट करता है। इस व्यवहार से वह काफी परेशान है। पीड़िता ने अपने आवेदन में बताया कि 25 सितंबर को करीब शाम 4 बजे उसके पति ने उसके साथ गाली-गलौच करते हुए मारपीट की। विवाद के दौरान आरोपी ने उसे जान से मारने की धमकी भी दी।

HEALTH TOWN

मेडरनिटी, सिल्डन्स एवं सजिकल हॉस्पिटल

● गर्भवती महिलाओं को संपूर्ण जांच व परामर्श
● गर्भाशय एवं लीजोवियर डिलीवरी
● एच बच्चेदानी का ऑपरेशन व नसबंदी
● सर्वसुविधायुक्त PICU, NICU, OT

● बच्चों की सभी प्रकार की सर्जरी हर्निया, सर्जिस्टीली, सारकन लीजन की सुविधा
● आयुजानल कार्ड और CSEB से कैशलेस उपचार
● TPA की सुविधा

● मूत्र रोग एवं सर्जरी
● किडनी की पथरी का संपूर्ण इलाज
● प्रोस्टेट का संपूर्ण इलाज
● यौन संबंधी समस्याएं
● महिलाओं में पेशाब लीक की समस्याएं

DR. ABHISHEK GAWRI
MBBS, MS (Surgery), DNB (Urology)
Consultant Urologist Andrologist & Reconstructive Surgery

आयुष्मान कार्ड की सुविधा उपलब्ध

एडवांस्ड यूरोलॉजी सेवाएं अब गावरी नर्सिंग होम में

फाफाडी, डिम्बर मार्केट रोड, रायपुर
☎ 9827144197, 9827144777

पाइल्स

क्षार सूत्र विशेषज्ञ, 15000 से ऊपर सफल चिकित्सा, देश-विदेशों में भी प्रचलित।
समय : सुबह 9.30 से रात 8.00 बजे तक

☎ सरस्वती दल मिल के सामने, गली नं. 3, अशोक विहार, पंढरी रायपुर। ☎ मनसा वैम्बर्स, कल्याण हॉस्पिटल के पीछे, फाफाडीह मेन रोड, रायपुर।

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 771-4242213, 7987119756, 9303508130

खबर संक्षेप

आधार ऑपरेटरो को नवीन दिशा-निर्देशों का प्रशिक्षण



दंतेवाड़ा। जिले में आधार सेवाओं की गुणवत्ता, शुद्धता एवं सुगमता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कलेक्टर कार्यालय स्थित डंकनी कक्ष, दंतेवाड़ा में आधार सेवा केंद्र, कॉमन सर्विस सेंटर सीएससी एवं बाल आधार पंजीकरण केंद्र सीईएलसी में कार्यरत आधार ऑपरेटरो के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण यूआईडीएआई, क्षेत्रीय कार्यालय हैदराबाद के सहायक प्रबंधक आशीष कुमार द्वारा प्रदान किया गया। इस प्रशिक्षण के दौरान आधार से संबंधित विभिन्न प्रक्रियाओं एवं नवीन दिशा-निर्देशों की विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। विशेष रूप से नाम में परिवर्तन से संबंधित यूआईडीएआई द्वारा जारी नई मानक संचालन प्रक्रिया के संबंध में ऑपरेटरो को अवगत कराया गया। इसके साथ ही यूआईडीएआई द्वारा जारी विभिन्न अनुबंधों, नियमों एवं संबंधित दिशा-निर्देशों की भी विस्तार से जानकारी दी गई।

बाढ़ का कहर

हरिभूमि न्यूज़ ►► घाटलोहंगा

पिछले तीन-चार दिनों से लगातार हो रही मूसलाधार बारिश और बाढ़ के चलते क्षेत्र में जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो गया है। ग्राम पंचायत कुदालगांव, उसके आश्रित ग्राम गुच्छागुड़ा, घाटलोहंगा तथा ग्राम पंचायत झाड़ उमरगांव के मेटावड़ा पारा, पटेल पारा और बोया पारा में बाढ़ का पानी घुसने से भारी नुकसान हुआ है।

लगातार बारिश के कारण कई घरों में

■ कुदालगांव में कई परिवारों के मकान क्षतिग्रस्त

पानी भर गया। प्रभावित क्षेत्रों में करीब 25 मकान क्षतिग्रस्त होने की जानकारी सामने आई है। वहीं हजारों हेक्टेयर धान सहित अन्य फसलें बाढ़ के पानी में डूब गई हैं, जिससे किसानों को भारी नुकसान हुआ है। बाढ़ की स्थिति अभी भी बनी हुई है।

मकान क्षतिग्रस्त होने के बाद कई प्रभावित परिवारों को अपना घर छोड़कर सुरक्षित स्थानों पर शरण लेनी पड़ी है। कोई



सड़क किनारे, तो कोई सामुदायिक भवन और स्कूल में डेरा डालकर रात गुजारने को मजबूर है। अचानक आई इस आपदा से प्रभावित परिवारों के सामने रहने, भोजन और पेयजल की गंभीर समस्या खड़ी हो गई है। बाढ़ से हुए नुकसान का जायजा लेने के लिए राजस्व विभाग के तहसीलदार जली जेम्स एवं राजस्व निरीक्षक जगन्नाथ चलाकी ने बस्तर ब्लॉक के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने प्रभावित गांवों में पहुंचकर बाढ़ की स्थिति, क्षतिग्रस्त मकानों

और हुए नुकसान का जायजा लिया। प्रभावित परिवारों से जानकारी लेकर मकान क्षति का निरीक्षण भी किया गया। ग्राम पंचायत कुदालगांव में मकान क्षति से प्रभावित परिवारों में पदुम सिंह ठाकुर पिता बद्रोनाथ, पंचो पिता दामू, जीवन पिता मनीराम, सोमरू पिता टोटो, संतो पिता मंधर, भारत पिता खकपति, गुडू पिता कुरसो, गमला कश्यप पिता घनो, तेजू पिता सुखमन, राजू पिता दामू, लखन पिता नेहरू, कुटी पिता सोनू, बली पिता लक्ष्मीनाथ, तिरालचन पिता कवलासाय,

सकरू पिता कामलोच तथा हिरण पिता सुदर्शन के नाम सामने आए हैं। वहीं ग्राम पंचायत घाटलोहंगा में संतुलपति, नरपति, घासीराम, सुखराम, भगतु, लखेश्वर, कोंदा एवं हरिराम पिता बुलकू सहित अन्य परिवारों के मकान भी बाढ़ और लगातार बारिश से प्रभावित हुए हैं। ग्राम पंचायत झाड़ उमरगांव के आश्रित ग्राम मेटावड़ा के पटेल पारा एवं बोया पारा में भी चार से अधिक मकान क्षतिग्रस्त होने की जानकारी सामने आई है। ग्रामीणों का कहना है कि लगातार बारिश और बाढ़ से



सरपंच ने प्रभावित परिवारों को पहुंचाई राहत

बाढ़ से प्रभावित परिवारों की स्थिति को देखते हुए ग्राम पंचायत कुदालगांव की सरपंच लक्ष्मी गोयल ने प्रभावित परिवारों की मदद के लिए राशन, सब्जी और दाल का वितरण कराया। वहीं पेयजल संकट को देखते हुए प्रभावित क्षेत्रों में टैंकर के माध्यम से पानी पहुंचाकर लोगों को राहत देने का प्रयास किया गया।

मुसीबत के बाद जनता के साथ खड़ा प्रशासन बाढ़ प्रभावित वार्डों में पहुंच कलेक्टर ने जाना हाल

हरिभूमि न्यूज़ ►► सुकमा

जिले में लगातार हुई भारी बारिश और बाढ़ के बाद अब जनजीवन को सामान्य पटरी पर लाने की बड़ी चुनौती जिला प्रशासन के सामने है। पानी उतरने के बाद भी बाढ़ प्रभावित परिवारों की परेशानियां पूरी तरह खत्म नहीं हुई हैं। ऐसे समय में प्रशासन ने राहत और पुनर्वास की दिशा में अपनी सक्रियता बढ़ा दी है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में जिला प्रशासन प्रभावित परिवारों तक राहत पहुंचाने और बाढ़ के बाद उत्पन्न होने वाली समस्याओं के तत्काल निराकरण में जुटा हुआ है।

■ पेयजल, स्वास्थ्य सुविधाओं से लेकर मुआवजे तक त्वरित कार्रवाई के निर्देश

इसी कड़ी में कलेक्टर अमित कुमार ने रिविचार को सुकमा जिला मुख्यालय के बाढ़ प्रभावित श्रीनगर, शबरीनगर, लाइनपारा, सम्राटनगर और बगीचापारा वार्डों का मैदानी दौरा किया। कलेक्टर ने प्रभावित इलाकों में घर-घर पहुंचकर लोगों से मुलाकात की और बाढ़ से हुए नुकसान की जानकारी ली। उन्होंने प्रभावित परिवारों की समस्याएं सुनीं तथा अधिकारियों को मौके पर ही आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि संकट की इस घड़ी में जिला प्रशासन प्रभावित परिवारों के साथ खड़ा है। बाढ़ के दौरान राहत एवं बचाव

वार्ड 13 की पार्श्व ने भी घर-घर पहुंचकर प्रभावितों का हालचाल पूछा



क्रमांक 13 की पार्श्व श्रीमती कांता राठी ने बाढ़ प्रभावित परिवारों के घर पहुंचकर उनकी कुशलक्षेम जानी और परिवारों से सीधे संवाद किया। उन्होंने लोगों को भरोसा दिलाया कि संकट की इस घड़ी में वे उनके साथ हैं और शासन-प्रशासन से हरसंभव सहायता दिलाने का प्रयास किया जाएगा। पार्श्व ने वार्ड में बाढ़ के बाद उत्पन्न स्थिति को देखते हुए ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव, शुद्ध पेयजल की व्यवस्था तथा क्लोरीन की गोलियों के वितरण की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से इन सुविधाओं को तत्काल उपलब्ध कराने का आग्रह किया, ताकि बाढ़ के बाद किसी प्रकार की स्वास्थ्य संबंधी समस्या उत्पन्न न हो।

प्रशासन ने संगमाला मोर्चा

बाढ़ की विभीषिका के बाद अब प्रशासन की प्राथमिकता स्पष्ट है। प्रभावित परिवारों तक राहत पहुंचाना, स्वच्छ पेयजल और स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना, नुकसान का सही आकलन करना तथा पात्र लोगों को नियमानुसार मुआवजा दिलाना। मैदानी स्तर पर अधिकारियों की मौजूदगी और जनप्रतिनिधियों की सक्रियता से प्रभावित परिवारों को यह भरोसा मिल रहा है कि आपदा की इस घड़ी में वे अकेले नहीं हैं।

बाढ़ पीड़ितों के लिए गणेशोत्सव समिति ने लगाया भंडारा



भोंड। हाल ही में आई बाढ़ की आपदा से प्रभावित परिवारों की मदद के लिए विकास खण्ड बस्तर के ग्राम पंचायत मधोता के पटेलपारा गणेशोत्सव समिति ने सराहनीय मानवीय पहल करते हुए भंडारे का आयोजन किया। बाढ़ के कारण कई परिवारों का आशियाना और राशन प्रभावित हुआ है। ऐसे कठिन समय में समिति द्वारा पीड़ित परिवारों को गरमा-गरम एवं स्वच्छ भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है। समिति के सदस्यों ने कहा कि भगवान गणेश की 'विघ्नहर्ता' कहा जाता है। ऐसे में गणेशोत्सव को केवल धार्मिक आयोजन तक सीमित न रखकर संकट की घड़ी में जरूरतमंदों की सेवा करना ही उत्सव की सच्ची सार्थकता है। भंडारे के संचालन में समिति के युवाओं के साथ बुजुर्गों तथा माताओं-बहनों ने भी बढ़-चढ़कर योगदान दिया। कोई भोजन तैयार करने में जुटा है तो कोई प्रभावित क्षेत्रों तक भोजन पहुंचाने और पीड़ित परिवारों को परसेने की जिम्मेदारी संभाल रहा है। बाढ़ प्रभावितों की मदद के लिए समिति की इस पहल की स्थानीय लोगों द्वारा सराहना की जा रही है। समिति ने कहा कि जब तक हालात सामान्य नहीं हो जाते, तब तक प्रभावित परिवारों की हरसंभव सहायता जारी रखने का प्रयास किया जाएगा।

बाढ़ प्रभावितों की पीड़ा हमारी पीड़ा है : गोयल

हरिभूमि न्यूज़ ►► दरमा

बाढ़ प्रभावित ग्राम चन्द्रपुर में विधायक विनायक गोयल ने 63 परिवारों से की मुलाकात, राहत सामग्री एवं भोजन की व्यवस्था के साथ मुआवजे का दिया आश्वासन। लोहण्डीगुड़ा ब्लॉक के ग्राम चन्द्रपुर में बाढ़ से प्रभावित परिवारों के बीच पहुंचकर विधायक ने प्रभावित ग्रामीणों से मुलाकात की और उनकी समस्याओं एवं आवश्यकताओं की जानकारी ली। ग्राम चन्द्रपुर में बाढ़ के कारण प्रभावित हुए 63 परिवारों के बीच पहुंचकर विधायक ने परिवारजनों से सीधे संवाद किया तथा उन्हें हरसंभव सहयोग का भरोसा

■ बाढ़ प्रभावित परिवारों को राहत पहुंचाने में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं होगी वाई

दिलाया। बाढ़ की स्थिति के कारण प्रभावित परिवारों को हो रही परेशानियों को देखते हुए विधायक ने मौके पर पहुंचकर ग्रामीणों की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने परिवारजनों से बातचीत कर उनकी दैनिक आवश्यकताओं, भोजन एवं अन्य जरूरी सामग्री से संबंधित समस्याओं की जानकारी ली। इस दौरान जरूरतमंद परिवारों के लिए आवश्यक सामग्री एवं भोजन की व्यवस्था भी की गई, ताकि विपरीत परिस्थितियों में उन्हें किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। विधायक ने प्रभावित परिवारों से कहा कि प्राकृतिक आपदा की इस कठिन घड़ी में वे उनके साथ खड़े हैं। उन्होंने ग्रामीणों को भरोसा दिलाया कि बाढ़ से हुए नुकसान एवं प्रभावित परिवारों की स्थिति को



संबंधित अधिकारियों के समक्ष रखा जाएगा तथा शासन की नियमानुसार मिलने वाली सहायता और मुआवजा दिलाने के लिए आवश्यक पहल की जाएगी। इस दौरान विधायक ने विशेष रूप से बच्चों से भी मुलाकात की। बच्चों के ब्रिस्कट एवं जूस वितरित किया गया। विधायक ने बच्चों और उनके परिवारजनों से बातचीत करते हुए उनकी जरूरतों के बारे में जानकारी ली। राहत कार्य के दौरान उन्होंने अधिकारियों की निर्देशित किया कि प्रभावित परिवारों की आवश्यकताओं पर लगातार नजर रखी जाए और जरूरत के अनुसार समय-समय पर खाद्य सामग्री एवं अन्य आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। विधायक ने अधिकारियों से कहा कि बाढ़ प्रभावित परिवारों को राहत पहुंचाने में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। प्रभावित लोगों की आवश्यकताओं की नियमित जानकारी लेते हुए आवश्यकता के अनुसार तत्काल सहायता उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने कहा कि संकट के समय प्रशासन और जनप्रतिनिधियों की जिम्मेदारी है कि प्रभावित परिवारों तक राहत एवं सहायता समय पर पहुंचे। ग्राम चन्द्रपुर के ग्रामीणों ने भी विधायक के समक्ष बाढ़ से

उत्पन्न परिस्थितियों और अपने सामने आ रही समस्याओं की जानकारी साझा की। विधायक ने ग्रामीणों की बातों को गंभीरता से सुना और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के लिए निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि प्रभावित परिवारों को शासन की ओर से उपलब्ध कराई जाने वाली सहायता एवं राहत का लाभ दिलाने के लिए हरसंभव प्रयास किया जाएगा। विधायक ने कहा कि बाढ़ प्रभावित परिवारों की पीड़ा हमारी अपनी पीड़ा है। इस कठिन समय में कोई भी परिवार स्वयं को अकेला न समझे। प्रभावित परिवारों की आवश्यकताओं को प्राथमिकता के साथ पूरा कराने तथा नियमानुसार सहायता एवं मुआवजा दिलाने के लिए हरसंभव प्रयास किया जाएगा। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि प्रशासन द्वारा जारी आवश्यक दिशा-निर्देशों का पालन करें और किसी भी प्रकार की जरूरत अथवा समस्या होने पर संबंधित अधिकारियों को तत्काल हमारी जानकारी दें। साथ ही उन्होंने अधिकारियों से कहा कि राहत एवं सहायता कार्य लगातार जारी रखा जाए तथा प्रभावित परिवारों को उनकी जरूरत के अनुसार समय-समय पर आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराई जाए।

सुकमा के हालात पर मुख्यमंत्री की नजर प्रभावितों को हर सुविधा देने के निर्देश

हरिभूमि न्यूज़ ►► सुकमा

विगत कई दिनों से हो रही मूसलाधार बारिश और जलभराव के कारण सुकमा जिले में बाढ़ जैसे हालात बने हुए हैं। सुकमा-कोंटा राष्ट्रीय राजमार्ग सहित कई इलाकों में आवागमन प्रभावित होने के बीच जिला प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड पर है। प्रशासन और पुलिस की टीमें लगातार प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचकर

■ 1400 से अधिक नागरिकों को सुरक्षित राहत शिविरों में पहुंचाया

राहत एवं बचाव कार्यों को अंजाम दे रही हैं। अब तक 1400 से अधिक प्रभावित नागरिकों को सुरक्षित राहत शिविरों में पहुंचाया गया है, जहां उनके लिए भोजन, पेयजल और स्वास्थ्य सुविधाओं की व्यवस्था की गई है।

प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सुकमा जिले में लगातार बिगड़ रहे मौसम और बाढ़ की स्थिति का संज्ञान लेते हुए कलेक्टर अमित कुमार से दूरभाष पर चर्चा कर जिले के हालात की जानकारी ली। कलेक्टर ने मुख्यमंत्री को जलभराव, प्रभावित क्षेत्रों, राहत शिविरों और चलाए जा रहे बचाव अभियानों के संबंध में विस्तार से अवगत कराया। मुख्यमंत्री साय ने प्रभावित नागरिकों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए निर्देश दिए कि राहत शिविरों में रहने वाले लोगों को किसी भी प्रकार की



बोट से रेस्क्यू, घर-घर पहुंचाया जा रहा भोजन व पानी

राहत एवं बचाव अभियान में प्रशासनिक अधिकारियों के साथ पुलिस, नगर सेना और एसडीआरएफ की टीमें लगातार मैदान में जुटी हुई हैं। नगर सेना एसडीआरएफ की टीम ने बोट के माध्यम से जलमग्न क्षेत्रों में पहुंचकर 26 नागरिकों को सुरक्षित रेस्क्यू किया। सुकमा तहसीलदार गिरिश निखालकर भी प्रशासनिक टीम के साथ बोट से बाढ़ प्रभावित बस्तियों में पहुंचे। टीम ने प्रभावित परिवारों तक फूड पैकेट और शुद्ध पेयजल पहुंचाया। प्रशासन का प्रयास है कि जलभराव के कारण घरों में फंसे या जरूरतमंद लोगों तक आवश्यक सामग्री समय पर पहुंचाई जाए।



प्रेरेशानी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने भोजन, पेयजल, स्वास्थ्य सुविधा और आवश्यक दवाइयों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा जरूरत पड़ने पर तत्काल रेस्क्यू

जनप्रतिनिधियों ने संगमाली जन्मोदारी

आपदा की इस घड़ी में जनप्रतिनिधि भी प्रशासन के साथ प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचकर लोगों की समस्याएं जान रहे हैं। नगरपालिका अध्यक्ष हूंनाराम मरकाम और भाजपा जिलाध्यक्ष धनीराम बारसे ने पावारसा, राजवाड़ा, पुसामीपारा और शबरीनगर सहित संवेदनशील क्षेत्रों का दौरा किया और प्रभावितों तक आवश्यक सहायता पहुंचाने के निर्देश दिए। वहीं वार्ड पार्श्व कांता राठी ने वार्ड क्रमांक 13 और 11 के बाढ़ प्रभावित नागरिकों से मुलाकात कर हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया। उन्होंने कच्चा शाला स्थित राहत शिविर का भी निरीक्षण किया और वहां प्रभावितों के लिए की गई व्यवस्थाओं का जायजा लिया और संतुष्टि जाहिर की।

अभियान चलाने के निर्देश दिए। सुकमा-कोंटा मार्ग आवागमन बाधित होने के बाद जिला प्रशासन ने प्रभावित इलाकों से लोगों को सुरक्षित स्थानों पर

ख़बर संक्षेप

उल्लास साक्षरता परीक्षा में 1250 परीक्षार्थी हुए शामिल



बस्तर। उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के अंतर्गत बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान आकलन परीक्षा का आयोजन आज रविवार को सफलतापूर्वक किया गया। विकास खंड बस्तर में कुल 81 परीक्षा केंद्रों में 1250 परीक्षार्थी शामिल हुए। वहीं फरसापारा को आदर्श उल्लास परीक्षा केंद्र बनाया गया है, जिसमें लक्ष्य 18 निर्धारित था और लगभग सभी असाक्षर परीक्षा में शामिल हुए। परीक्षा के सुचारू संचालन के लिए बस्तर विकासखंड के एबीईओ सुशील तिवारी द्वारा फरसापारा और कारीतराई सहित विभिन्न केंद्रों का निरीक्षण किया गया। उन्होंने परीक्षार्थियों की उपस्थिति, प्रश्न-पत्र वितरण और बैठने की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। एबीईओ तिवारी ने बताया कि परीक्षा शांतिपूर्ण और निष्पक्ष रूप से संपन्न हुई। उन्होंने कहा कि उल्लास योजना का उद्देश्य निरक्षरों को साक्षर बनाना और उन्हें पढ़ने-लिखने व गिनने में सक्षम बनाना है।

सुकरात के प्रसंग ने भवतों को किया भावविभोर



जगदलपुर। माहेश्वरी भवन में आयोजित 7 दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ में प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचकर कथा का श्रवण कर रहे हैं। कथा वाचक आचार्य सुबोध महाराज द्वारा भागवत के विभिन्न प्रसंगों का भावपूर्ण वर्णन किया जा रहा है। रविवार को कथा के दौरान सुकरात के प्रसंग का विस्तार से वर्णन किया गया, जिसे सुनकर श्रद्धालु भावविभोर हो उठे। कथा में सुकरात के जीवन, उनके विचारों और सत्य के प्रति उनकी दृढ़ निष्ठा का उल्लेख करते हुए बताया गया कि उन्होंने जीवनभर ज्ञान, सत्य और सदाचार को सर्वोच्च महत्व दिया। वे लोगों को बाहरी दिखावे के बजाय आत्मचिंतन और अपने आचरण को सुधारने की प्रेरणा देते थे। उनके विचारों में मनुष्य के लिए सच्चे ज्ञान की खोज और स्वयं को पहचानने का संदेश प्रमुख रहा। कथा व्यास ने सुकरात के प्रसंग के माध्यम से श्रद्धालुओं को समझाया कि मनुष्य का वास्तविक विकास केवल धन-संपत्ति या भौतिक उपलब्धियों से नहीं, बल्कि अच्छे विचार, सत्यनिष्ठा और सदाचार से होता है। उन्होंने कहा कि जीवन में परिस्थितियां कैसी भी हों, व्यक्ति को सत्य और धर्म के मार्ग से विचलित नहीं होना चाहिए। सुकरात का जीवन कठिन परिस्थितियों में भी अपने सिद्धांतों पर अडिग रहने की प्रेरणा देता है। कथा के दौरान माहेश्वरी भवन में भक्तिमय वातावरण बना रहा। श्रद्धालु बड़ी संख्या में कथा पंडाल में पहुंचे और एकाग्र होकर कथा का श्रवण किया। भजन-कीर्तन और धार्मिक प्रयोगों से पूरा वातावरण आध्यात्मिक बना रहा। आयोजन समिति द्वारा श्रद्धालुओं के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं की गई हैं।

हरिभूमि न्यूज़ ►► जगदलपुर

बारिश एवं बाद के चलते शहर के लालबाग स्थित लोक निर्माण विभाग राष्ट्रीय राजमार्ग संभाग कार्यालय परिसर में करीब चार फीट पानी भर गया। परिसर में रहने वाले तीन परिवार भी पानी से घिर गए और उनके कमरों में पानी घुस गया। लगातार जलभराव के कारण अधिकारी-कर्मचारियों के साथ परिवारों को भी भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। स्थिति को देखते हुए विभागीय अधिकारियों ने बोट मंगाई, जो शनिवार को देर रात करीब एक बजे पहुंची। इसके बाद बोट की मदद से

देर रात को बोट से अधिकारियों-कर्मचारियों ने 3 घंटे तक चलाया राहत अभियान



रात एक से 3 बजे तक चला रेस्क्यू

बोट पहुंचने के बाद एनएच की कार्यपालन अभियंता प्रह्ला नंद, एसडीओ एके कुंजाम, सुकमा के एसडीओ एसएन साहा, उपरंगी अजय गहलोत, जीवन नेताम, कर्मचारी शेख इदरीश, तुलसी मरकाम सहित अन्य कर्मचारी रात को लगभग तीन घंटे तक राहत एवं बचाव कार्य में जुटे रहे। रात लगभग 1 बजे शुरू हुआ यह अभियान लगभग 3 बजे तक चला। कर्मचारियों ने पहले जलभराव में फंसे परिवारों को सुरक्षित बाहर निकाला और इसके बाद कार्यालय के आवश्यक दस्तावेजों एवं सामान को पानी से बचाने के लिए बाहर स्थानांतरित किया।

कार्यालय परिसर में फंसे तीन परिवारों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। साथ ही कार्यालय में रखे महत्वपूर्ण कागजात एवं अन्य सामग्री को भी सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया। कार्यालय परिसर में 25 सितंबर से लगातार बारिश के चलते पानी भर हुआ था। शनिवार को भी परिसर में करीब चार फीट तक पानी जमा रहा। पानी कार्यालय के कमरों तक पहुंचने के कारण दस्तावेजों और सरकारी सामग्री के खराब होने का खतरा बना हुआ था। वहीं परिसर में रह रहे परिवारों के कमरों में पानी घुसने से उन्हें भी रात में सुरक्षित स्थान पर पहुंचाना जरूरी हो गया था।

सीआरपीएफ परिसर में भरा तीन फीट तक पानी, बैरक व मेस जलमग्न

इंद्रावती के उफान से 195वीं बटालियन के सातधार और छिंदनार कैंप डूबे

हरिभूमि न्यूज़ ►► गीदम

क्षेत्र में हुई लगातार मूसलाधार बारिश के चलते इंद्रावती नदी का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर पहुंच गया है, जिससे निचले इलाकों में बाढ़ जैसी स्थिति बन गई है। नदी के बढ़ते जलस्तर का असर अब सुरक्षा बलों के कैंपों पर भी पड़ा है। 195वीं बटालियन सीआरपीएफ के सातधार और छिंदनार स्थित कैंपों में बाढ़ का पानी घुस गया है। इंद्रावती नदी के उफान पर आने से सातधार कैंप परिसर के कई हिस्सों में 2 से 3 फीट तक पानी भर गया है। कैंप के बैरक, मेस और अन्य हिस्सों में जलभराव होने से जवानों की दैनिक गतिविधियां प्रभावित हुई हैं। वहीं छिंदनार कैंप में भी बाढ़ का पानी प्रवेश कर गया है, जिससे वहां की सामान्य व्यवस्थाएं बाधित हुई हैं। स्थिति को देखते हुए बटालियन के अधिकारियों ने जवानों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। कैंप के



आवश्यक सामान और महत्वपूर्ण दस्तावेजों को सुरक्षित और ऊंचे स्थानों पर शिफ्ट किया जा रहा है। अधिकारियों द्वारा दोनों कैंपों में लगातार निगरानी रखी जा रही है और जलस्तर पर पैनी नजर बनाए रखी गई है।

प्रशासनिक अलर्ट और तैयारी

195वीं बटालियन के अधिकारियों ने बताया कि मौसम विभाग के अलर्ट को देखते हुए पहले से ही तैयारी की गई थी। आवश्यकता पड़ने पर जवानों और संसाधनों को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित करने की योजना तैयार है। लगातार बारिश के कारण क्षेत्र में आवागमन भी बुरी तरह प्रभावित हुआ है और कई संपर्क मार्ग जलमग्न हो गए हैं।

मुस्तेदी से डटे जवान

बाढ़ की इस चुनौतीपूर्ण स्थिति के बावजूद सीआरपीएफ के जवान पूरी मुस्तेदी के साथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रहे हैं और कैंप की सुरक्षा एवं आवश्यक व्यवस्थाओं को बनाए रखने में जुटे हुए हैं।

कमिश्नर ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का लिया जायजा

हरिभूमि न्यूज़ ►► जगदलपुर

कमिश्नर डोमन सिंह ने रविवार को जगदलपुर तहसील अंतर्गत बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का जायजा लिया। उन्होंने राहत शिविरों में रह रहे प्रभावित परिवारों से रूबरू होकर



■ राहत शिविरों में प्रभावितों से रूबरू होकर व्यवस्थाओं की ली जानकारी

उनके ठहरने, भोजन, पेयजल और स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि बाढ़ प्रभावितों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने के लिए शासन-प्रशासन पूरी संवेदनशीलता के साथ प्रयासरत है। उन्होंने प्राथमिक शाला भवन तामाकोनी, शहीद भगतसिंह स्कूल तथा माध्यमिक शाला भवन नगरनार में स्थापित राहत शिविरों का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों से राहत शिविरों में उपलब्ध आवश्यक सुविधाओं की जानकारी लेते हुए प्रभावित परिवारों के ठहरने के लिए पर्याप्त स्थान वाले बड़े कैम्पस का चयन करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राहत शिविरों

में महिलाओं और पुरुषों के लिए पृथक-पृथक व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। साथ ही प्रभावितों के लिए भोजन और पेयजल की पर्याप्त एवं नियमित उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने राहत शिविरों में चिकित्सा दल की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करते हुए प्रभावितों का स्वास्थ्य परीक्षण एवं आवश्यक उपचार करने तथा स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता देने के निर्देश दिए। कमिश्नर ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में हैंडपंप, नल-जल योजना सहित अन्य पेयजल स्रोतों के जल परीक्षण पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि प्रभावित परिवारों को हर हाल में शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराया जाए, ताकि दूषित पानी से होने वाली संक्रामक बीमारियों की स्थिति निर्मित न हो। उन्होंने नगरनार इलाके के बाढ़

प्रभावितों को एनएमडीसी की ओर से समुचित सहायता उपलब्ध करवाने के निर्देश भी एनएमडीसी के अधिकारियों को दिए।

पेयजल स्रोतों के शुद्धीकरण पर जोर

कमिश्नर ने बाढ़ प्रभावित इलाकों में हैंडपंप, नल-जल योजना, सोलर ड्यूल पंप सहित सभी पेयजल स्रोतों का समुचित रखरखाव सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित पेयजल स्रोतों के क्लोरीनेशन के साथ ही स्थानीय जल स्रोतों जैसे कुआं, बावड़ी आदि के जल शुद्धीकरण के लिए सख्त अभियान चलाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि बाढ़ के बाद किसी भी प्रकार की जलजलित बीमारी की स्थिति निर्मित न हो, इसके लिए संबंधित विभाग आपसी समन्वय से लगातार निगरानी और आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करें।

सॉफ्ट स्किल से छात्राओं के आत्मविश्वास को मिली नई उड़ान, करियर निर्माण में मददगार

हरिभूमि न्यूज़ ►► जगदलपुर

छात्राओं को रोजगार, स्वरोजगार और व्यक्तित्व विकास के लिए आवश्यक कौशल से जोड़ने के उद्देश्य से शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय में आयोजित छह दिवसीय प्रशिक्षण शनिवार को



■ व्यक्तित्व विकास प्रशिक्षण सम्पन्न, 60 छात्राओं ने लिया प्रशिक्षण

सम्पन्न हुआ। नांदी फाउंडेशन, हैदराबाद के सहयोग से आयोजित प्रशिक्षण में विभिन्न अध्ययनशालाओं की करीब 60 छात्राओं ने हिस्सा लिया। प्रशिक्षण में छात्राओं को कैरियर एवं लाइफ से जुड़े जरूरी सॉफ्ट स्किल की जानकारी दी गई। समापन समारोह में कुलपति प्रो. मनोज कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि छात्राओं को सॉफ्ट स्किल से प्रशिक्षित कर उन्हें ऑर्गनाइज्ड सेक्टर में लाना जरूरी है। इस क्षेत्र में महिलाओं की

भागीदारी अभी कम है। उन्होंने कहा कि सम्मानजनक नौकरी हर व्यक्ति की जरूरत है और इसके लिए बॉयोडाटा को अपडेट रखना जरूरी है। बॉयोडाटा को अपडेट रखना भी निरंतर मेहनत का कार्य है। कुलपति ने कहा कि जो विद्यार्थी मेहनत करता है, वह घबराहट का शिकार नहीं होता। निरंतर मेहनत से कार्य करने पर डर का सामना करने की क्षमता भी विकसित होती है। उन्होंने प्रशिक्षित छात्राओं से अन्य विद्यार्थियों को भी सॉफ्ट स्किल का प्रशिक्षण देने के लिए एम्बेसडर की भूमिका निभाने की अपील की, ताकि सीखने की एक चेन तैयार हो

सके। कुलपति प्रो. श्रीवास्तव ने छात्राओं से प्रशिक्षण में सीखे ज्ञान और स्किल का नियमित रीवीजन करने तथा चेकलिस्ट तैयार कर उसे व्यवहार में बनाए रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण का वास्तविक लाभ तभी मिलेगा, जब सीखी गई बातों को लगातार दोहराकर जीवन में उतारा जाए। कार्यक्रम में डीएसडब्ल्यू डॉ. समीर ठाकुर, डॉ. बीएल साहू सहित अन्य उपस्थित रहे। संचालन डॉ. कुश नायक ने किया। कार्यक्रम पीएम उषा कम्पोजेंट एवं आईआईसी के अंतर्गत ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट सेल द्वारा आयोजित किया गया।

तीन छात्राओं को मिला पुरस्कार

विभिन्न गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी के लिए स्मृति तिवारी, नाऊगापु गोता एवं गुलनार अंसारी को पुरस्कृत किया गया। प्रशिक्षण में नांदी फाउंडेशन के ट्रेनर अभिषेक विश्वकर्मा ने कैरियर एवं लाइफ से जुड़े जरूरी कौशलों पर छात्राओं को प्रशिक्षण दिया। प्रमोदी कुमरसचिव डॉ. अभिषेक अवस्थी ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय विद्यार्थियों के रोजगार, स्वरोजगार और स्टार्टअप के लिए गंभीरता से प्रयास कर रहा है, ताकि उन्हें डिग्री प्राप्त करने के बाद घर नहीं बैठना पड़े।

कोऑर्डिनेटर प्रो. स्वपन कुमार कोले के मार्गदर्शन में प्रतिदिन दो सत्र आयोजित किए गए।

किशोर न्याय, पॉक्सो और बाल संरक्षण पर एक दिवसीय कार्यशाला

बच्चे की एक गलती पूरे जीवन की पहचान नहीं बने : जांगड़े

हरिभूमि न्यूज़ ►► जगदलपुर

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष गोविंद नारायण जांगड़े के मार्गदर्शन में रविवार को किशोर न्याय,

■ विभागों के बीच समन्वय से ही बच्चों को मिलेगा प्रभावी संरक्षण और पुनर्वास

बालकों की देखरेख, संरक्षण एवं पुनर्वास विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। इसमें किशोर न्याय व्यवस्था से जुड़े विभिन्न विभागों और संस्थाओं के अधिकारियों को किशोर न्याय अधिनियम-2015, पॉक्सो अधिनियम, बाल संरक्षण और

बाल संरक्षण सभी की सामूहिक जिम्मेदारी

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश गोविंद नारायण जांगड़े ने कहा कि बाल संरक्षण किसी एक विभाग की जिम्मेदारी नहीं है। सभी संबंधित विभागों एवं संस्थाओं के सामूहिक और संबन्धित प्रयास से ही बच्चों को प्रभावी संरक्षण दिया जा सकता है। उन्होंने कहा कि किसी बच्चे की एक गलती उसके पूरे जीवन की पहचान नहीं बननी चाहिए। बच्चों के सर्वोत्तम हित, सुरक्षा, गरिमा और पुनर्वास को प्राथमिकता देने पर जोर दिया।



पुलिस एवं विशेष किशोर पुलिस इकाई की भूमिका, किशोर न्याय बोर्ड,

बाल कल्याण समिति, सामाजिक अन्वेषण प्रतिवेदन, जिला बाल

पॉक्सो मामलों में बाल हितैषी प्रक्रिया पर जोर

पॉक्सो न्यायालय की ओर से विशेष एफटीसी न्यायाधीश शैलेश अच्युत पटवर्धन ने बाल यौन अपराधों के मामलों में बाल हितैषी न्यायिक प्रक्रिया, बच्चे की सुरक्षा, गोपनीयता, विधिक संरक्षण और पुनर्वास से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं पर जानकारी दी। वहीं किशोर न्याय बोर्ड की ओर से व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ श्रेणी श्रीमती आदिली ठाकुर सराफ ने विधि से संघर्षरत बालकों के मामलों में निर्धारित प्रक्रिया और बोर्ड की भूमिका पर प्रकाश डाला।

संरक्षण इकाई, परिवीक्षा अधिकारी, बाल देखरेख संस्थाओं और मिशन वात्सल्य की भूमिका समझाई। उन्होंने बताया कि बच्चे के पहली बार पुलिस के संपर्क में आने से लेकर उसके पुनर्वास और सामाजिक पुनर्संमेलन तक प्रत्येक चरण में अलग-अलग विभागों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उदाहरणों के माध्यम से पूरी प्रक्रिया समझाते हुए विभागों के बीच समन्वय को आवश्यक बताया गया।

सामाजिक अन्वेषण रिपोर्ट की उपयोगिता

बाल संरक्षण अधिकारी विजय शर्मा ने बताया कि सामाजिक अन्वेषण प्रतिवेदन के माध्यम से बच्चे की पारिवारिक, सामाजिक और आर्थिक परिस्थितियों का आकलन किया जाता है। इससे बच्चे के लिए उचित पुनर्वास योजना तैयार करने में मदद मिलती है। परिवीक्षा अधिकारी की भूमिका को भी इस प्रक्रिया में महत्वपूर्ण बताया गया।

online Booking- www.tripuryatra.com

स्लीपर यात्रा 9,500/-

सुनहरा अवसर

रायपुर, इलाहाबाद, राठौड़ से लेकर

स्पेशल ट्रेन 22 से 28 अक्टूबर 2026 (7 दिन)

द्वारकाधीश धाम यात्रा

श्री द्वारकाधीश, श्री द्वारकाधै, श्री सोमनाथ, श्री गोमेथ ज्योतिर्लिंग, उज्जैन (श्री महाकालेश्वर)

ऑफ राशि **वर्षा 9,500/-**, 3 एसी-16,500/-, 2 एसी 22,500/- (45% GST)

Since-2007

श्री त्रिपुर तीर्थ यात्रा सेवा समिति

RANPUR, B-36 Sector-4, Karnal Vihar, Gurgaon, Shop No. 38/1, 38/2, 38/3 B.S. Plaza Power House Road

संपर्क करें:- 9165 411411